भारत–म्यांमार कालादान मल्टीमोडल पारगमन परिवहन परियोजना

इस परियोजना में देश के पूर्वी भाग से उत्तर–पूर्व क्षेत्र और म्यांमार होकर विलोमतः मालों की ढुलाई में सुविधा देने के लिए एक मल्टीमॉडल परिवहन कॉरीडोर के निर्माण पर विचार किया जा रहा है। दिनांक 02.04.2008 को भारत और म्यांमार ने परियोजना के कार्यान्वयन हेतु 'पारगमन परिवहन परियोजना की सुविधा' और 'अनुरक्षण एवं प्रशासन' पर प्रोटोकॉल सहित फ्रेम वर्क एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किया। इस परियोजना को भारत सरकार के विदेश मंत्रालय (एमईए) निधि मुहैया कर रहा है। चालू आकलन के अनुसार परियोजना की अनुमानित लागत 535.91 करोड़ रु0 है और इसके पूरा होने की अवधि 5 वर्ष है।

फ्रेमवर्क एग्रीमेंट के अनुच्छेद 4 के अनुसार भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण को इस परियोजना के कार्यान्वयन हेतु परियोजना विकास परामर्शदाता (पीडीसी) के रूप में नियुक्त किया गया है। पीडीसी की जिम्मेदारियाँ निम्नलिखित हैं :–

- विभिन्न परियोजना सुविधाओं के विकास हेतु विनिर्माण ठेकेदारों के चयन की तैयारी।
- विभिन्न कार्यों के निर्माण और परियोजना प्रबंधन का पर्यवेक्षण
- नोडल एजेंसी और विनिर्माण ठेकेदारों के बीच समन्वय /सम्पर्क

परियोजना के विभिन्न अवयव निम्नलिखित हैं :

- म्यांमार में सिटवे में एक पत्तन /अन्तर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) टर्मिनल और संबंधित अवसंरचनात्मक सुविधाओं का निर्माण।
- कलादान नदी पर सिटवे से कलेटवा तक (225 कि0 मी0) अ0 ज0 प0 फेयरवे का विकास।

- कलेटवा में एक अ0 ज0 प0 /हाइवे पोत वणिक टर्मिनल और संबंधित सुविधाओं का निर्माण।
- कलेटवा से भारत–म्यांमार बोर्डर (62 कि0 मी0) तक एक हाइवे का निर्माण।
- 260 टन के अ0 ज0 प0 जलयानों (सं0 10) का निर्माण।

तदनुसार, कलादान परियोजना प्रबंधन यूनिट (केएमपीयू) नामक एक परियोजना प्रबंधन यूनिट, जिसके सदस्य इनके अपने विशेषज्ञ होते हैं, का गठन किया गया है। केएमपीयू मुख्य ठेकेदार के चयन हेतु वर्तमान में खुद तैयारी कर रहा है।